B.M.A College Baheri Darbhanga (L.N.M.U)

BA (Hons) part-I पेपर-1

Date 1-10-20

Dr Manoj Kumar Sah

Dept of Pol-Sci

द्वितीय मतदान प्रणाली

जब किसी क्षेत्र से तीन या चार उम्मीदवार एक ही स्थान के लिए चुनाव लड़ते है तो द्वितीय मतदान प्रणाली का भी प्रयोग अल्पसंख्यकों के लिए किया जाता है।

इस प्रणाली में सबसे कम मत प्राप्त करने वाले उम्मीदवार को पराजित घोषित कर दिया जाता है. और फिर दूसरी बार मत लिये जाते है। इस ~~प्रकार~~ बार यदि मतदाता प्रथम घोषित उम्मीदवार को मत न देकर द्वितीय घोषित उम्मीदवार के पक्ष में मत दे देते है तो द्वितीय घोषित उम्मीदवार निर्वाचित घोषित कर दिया जायेगा। एक उदाहरण से यह बात समझ में आ जायेगी। मान लीजिए किसी निर्वाचन क्षेत्र से एक स्थान के लिए क, ख, ग, तीन उम्मीदवार खड़े है। मतदाताओं ने तीनों के पक्ष में मत दिये। प्रथम बार के परिणाम में 'क' को 2000 'ख' को 1500 और 'ग' को 1200 मत मिले। परिणाम में 'क' को निर्वाचित घोषित कर दिया गया 'ग' का नाम सबसे कम मत पाने के कारण सूची से काट दिया जाता है

अब फिर दूसरी बार निर्वाचन किया जाता है और उसमें यदि 'ग' को मत देने वाले सभी मतदाताओं ने 'ख' के पक्ष में मत दिये तो 'ख' को ही निर्वाचित घोषित कर दिया जायेगा 'क' को नहीं भले ही पहली बार उसको बहुमत प्राप्त था

गुण - द्वितीय मत प्रणाली लोकतंत्र शासन में लोकमत का यथार्थ रूप में प्रतिनिधित्व करती है।

Scanned with CamScanner